



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 161]  
No. 161]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 19, 1983/भाद्र 28, 1905  
NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 19, 1983/BHADRA 28, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(निर्यात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं० : 43-ईटीसी (पीएन)/83

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1983

विषय : 1983-84 के दौरान जीवित भैंस और जीवित भेड़ों की निर्यात नीति की शर्तें ।

मि० सं० 34(4)/83-ई-2.—अप्रैल 1983—मार्च 1984 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-2) की पृष्ठ सं० 8 पर के नीति विवरण की क्रम सं० 2 और 3 के सामने यथा संकेतित जीवित भैंस और जीवित भेड़ों की निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है ।

2 इस बात का सुनिश्चय करने के लिये कि केवल स्वस्थ पशु ही निर्यात किये जाते हैं, निश्चय किया गया है कि जीवित भैंस और जीवित भेड़ों के वास्तविक निर्यात से पूर्व उन्हें न्यूनतम 21 दिन तक के लिये संघरोधन अवस्था में रखा जायगा और इस अवधि के दौरान पशुओं का निरीक्षण किया जायगा और टीके (वैक्सिनेशन) लगाये जाएंगे। इस अवधि के दौरान भेड़ों को पशु-प्लेग, खुर और मुंह की बीमारी और भेड़ों को होने वाली चेचक से बचाने के

लिये टीके लगाये जायेंगे। इसी प्रकार से भैंस को भी पशु प्लेग खुर और मुंह की बीमारी से बचाने के लिये टीके लगाये जायेंगे और तपेदिक और ब्रूसेल्लोसिस के लिए भी उनकी जांच की जाएगी ।

3. तदनुसार, 1983-84 के लिये आयात-निर्यात नीति (जिल्द 2) की पृष्ठ सं० 8 पर के नीति विवरण की क्रम सं० 3 के सामने के कालम-3 में निम्नलिखित उप-शर्त (4) को जोड़ा जायगा :—

“(4) न्यूनतम 21 दिन की अवधि के लिये भेड़ों का संघरोधन और इस अवधि के दौरान भेड़ों को पशु-प्लेग, खुर और मुंह और भेड़ों को होने वाली चेचक के लिये निरीक्षण किये जायेंगे और टीके लगवाये जायेंगे।”

4. जहां तक जीवित भैंस का संबंध है, उपर्युक्त कंडिका-2 में उल्लिखित शर्तें निर्यात (नियंत्रण), संघरोधन आवेदना सं० ई (सी) ओ० 1977/एम(271), दिनांक 19 सितम्बर, 1983 के अनुसार खुले सामान्य लाइसेंस-3 में निदिष्ट कर दी गयी है ।

5. जीवित भैंस और भेड़ों के निर्यात के लिये निम्न-लिखित क्रियाविधि अपनाई जायेगी :—

- (1) जीवित भैंस और भेड़ों के निर्यात की अनुमति केवल बम्बई और कांडला के पत्तनों से दी जायेगी।
- (2) भारत सरकार के संपूर्ण पर्यवेक्षण के अधीन संघरोधन किया जायेगा। बम्बई से निर्यात की जाने वाली जीवित भैंस और भेड़ों और कांडला पत्तन से निर्यात की जाने वाली भैंस और भेड़ों के संबंध में जीवित पशुओं के निर्यात की अनुमति देने से पूर्व संगरोध के संबंध में भारत सरकार की ओर से प्रमाणपत्र जारी करने के लिये क्रमशः निदेशक, पशुपालन, महाराष्ट्र और निदेशक, पशुपालन, गुजरात प्राधिकृत होंगे। राजस्थान राज्य के भीतर संगरोधन में रखी गयी भेड़ों के संबंध में प्रमाणपत्र निदेशक, भेड़ तथा ऊन विभाग, राजस्थान द्वारा जारी किया जाएगा।
- (3) जीवित भैंस और भेड़ों के निर्यात करने वाले इच्छुक निर्यात संगरोधन के प्रयोजन के लिये आहाता प्रदान करेंगे। विशाल संरचना से संबंधित सुविधाओं के प्रयोजन के लिये आहाते का निरीक्षण पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा के राज्य निदेशक द्वारा किया जायेगा और आहाते के निरीक्षण के पश्चात् ही उसे निर्यात से पूर्व संगरोधन के कार्य के प्रयोजन के लिये अनुमोदित संघरोधन स्टेशन घोषित किया जाएगा।
- (4) संघरोधन के अधीन सभी पशुओं की पहचान "कान पर लगे टैग" से की जायेगी। प्रमाणित प्राधिकारी द्वारा जारी किये गये संघरोधन प्रमाणपत्र में "कान पर लगाने वाले टैग" की संख्या का उल्लेख किया जायेगा।
- (5) पशुओं को टीका लगाने के लिये टीका द्रव्य की कीमत निर्यातक देंगे।

6. उपर्युक्त कंडिका 5 में निर्धारित संघरोधन की क्रियाविधि उन मामलों में बाध्यकर नहीं होगी, जहां पर संघरोधन की सुविधाओं के बिना ही निर्यात के लिये उन विदेशी क्रेताओं ने विशेष रूप से संविदायें कर ली हैं। इस संबंध में निर्यातक लाइसेंस प्राधिकारी को संविदा (मार्ग प्रति) प्रस्तुत करेंगे।

7. भेड़ों के निर्यात के संबंध में परिवर्तन से पूर्व किये गये सौदे केवल उस मात्रा के लिये स्वीकार कर लिये जायेंगे, जिसके लिये लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पहले से ही लाइसेंस जारी कर दिये गये हैं और वे अपरिवर्तनीय साखपत्र से समर्थित हैं। जीवित भैंस के मामले में परिवर्तन से पूर्व किये गये सौदे 1983-84 के लिये आयात-निर्यात क्रियाविधि पुस्तक की कंडिका-226 के अनुसार स्वीकार किये जायेंगे।

8. जीवित बकरियों के निर्यात की अनुमति अब तक किसी भी संघरोधन और टीके से संबद्ध औपचारिकताओं के

बिना दी जाती रहेगी किन्तु वह सामान्य चिकित्सा निरीक्षण और प्रमाणन के अधीन होंगी।

पी० सी० जैन,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE

### Export Trade Control

### PUBLIC NOTICE NO. 43-ETC(PN)|83

New Delhi, the 19th September, 1983

Subject :—Export Policy of Live Buffaloes and Live Sheep during 1983-84—Conditions regarding.

F. No. 34(4)|83-EII.—Attention is invited to export policy of Live Buffaloes and Live Sheep as indicated against S. No. 2 and 3 of the Policy Statement at page 8 of Import and Export Policy April, 1983-March, 1984, (Vol. II).

2. In order to ensure that only healthy animals are exported it has been decided that Live Sheep and Live Buffaloes before actual export, will be kept in Quarantine for a minimum period of 21 days during which period the animals will be subjected to inspection and vaccination. During this period the Sheep will be vaccinated for Rinderpest, Foot and Mouth disease and Sheep Pox Similarly, buffaloes will be vaccinated for Rinderpest, Foot and Mouth disease and will also be tested for Tuberculosis and Brucellosis.

3. Accordingly in col. 3, against S. No. 3 of the Policy Statement at page 8 of Import and Export Policy Book 1983-84 (Vol. II) the following sub-condition No. (iv) shall be added :—

“(iv) Quarantine of Sheep for a minimum period of 21 days during which period the Sheep will be subjected to inspection and vaccination for Rinderpest, Foot and Mouth disease and Sheep Pox”.

4. As regards export of Live Buffaloes, conditions mentioned in paragraph 2 above have been incorporated in OGL-3 vide Exports (Control) Amendment Order No. E(C)O, 1977|AM(271) dated the 19th September, 1983.

5. The following procedure will be followed for export of Live Buffaloes and Sheep :—

- (i) Export of Live Buffaloes and Sheep shall be allowed from Bombay and Kandla ports only.
- (ii) The Quarantine would be done under the overall supervision of Government of India. The Director of Animal Husbandry, Maharashtra for Live Buffaloes and Sheep intended to be exported from

Bombay and the Director of Animal Husbandry, Gujarat for Live Buffaloes and Sheep to be exported from Kandla port respectively are authorised to issue a certificate on behalf of Government of India in respect of quarantine, before export of live animals is allowed Director, Department of Sheep and Wool Rajasthan, would issue certificate in respect of sheep put up in quarantine within the State of Rajasthan.

- (iii) The exporters interested to export Live Buffaloes and Sheep would offer premises for purpose of quarantine. The premises would be inspected by the State Directors of Animal Husbandry and Veterinary service for the purpose of infrastructure facilities and after examination of the premises, the same will be declared as approved quarantine stations for the purpose of undertaking quarantine prior to export.
- (iv) All animals subjected to quarantine would be identified by 'Ear Tag'. The number of 'Ear Tags' shall be mentioned in the certificate of the quarantine issued by the certifying authority

- (v) The exporters would pay the cost of the vaccines used for the vaccination of the animals.

6. Quarantine procedure laid down in paragraph 5 above may not be insisted upon where the foreign buyers have specifically contracted for export without quarantine formalities. Exporters shall produce contract (in original) to this effect to the licensing authority

7. Pre-change commitment in respect of sheep shall be honoured only for the quantities for which the export licences have already been issued by the licensing authorities and is backed by the irrevocable letter of credit. In respect of Live Buffaloes pre-change commitment shall be honoured in terms of paragraph 226 of the Hand Book of Import and Export Procedure 1983-84. In case of pre-change commitment, quarantine procedure shall not be applicable.

8. Export of Live Goats shall continue to be allowed without any quarantine and vaccination formalities, and would be subjected to general Veterinary Inspection and certification as hitherto.

P. C. JAIN,  
Chief Controller of Imports & Exports.

